

Name: \_\_\_\_\_ Date: \_\_\_\_\_

ध्वनि

प्रश्न-1 कविता "ध्वनि" के कवि कौन हैं?

उत्तर \_\_\_\_\_

प्रश्न-2 वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? आपस में चर्चा कीजिए।

उत्तर \_\_\_\_\_

प्रश्न-3 कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर \_\_\_\_\_

प्रश्न-4 कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

उत्तर \_\_\_\_\_

## ध्वनि

प्रश्न-1 कविता "ध्वनि" के कवि कौन हैं?

उत्तर कविता "ध्वनि" के कवि सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला" हैं।

प्रश्न-2 वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? आपस में चर्चा कीजिए।

उत्तर इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है, मौसम सुहावना हो जाता है, पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं, आम के पेड़ बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है और इसलिए इसे ऋतुराज कहा गया है।

प्रश्न-3 कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि उसके मन में नया जोश व उमंग है। वह आशावादी है। अभी उसे कई कार्य करने हैं। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहता है और उन्हें उनके लक्ष्य की ओर प्रेरित करना चाहता है। वह अपने रचनात्मक कार्यों की खुशबू चारों ओर बिखेरना चाहता है।

प्रश्न-4 कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

उत्तर कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए उन पर अपना हाथ फेरकर उन्हें जगाना चाहता है। वह उनको चुस्त, प्राणवान, आभावान व पुष्पित करना चाहता है। यहाँ कलियाँ आलस्य में पड़े युवकों का प्रतीक है। अतः कवि नींद में पड़े युवकों को प्रेरित कर उनमें नए उत्कर्ष के स्वप्न जगाना चाहता है। उनके आलस्य को दूर भगा कर उनमें उत्साह का संचार करना चाहता है।